भारत में तंबाकू महामारी

प्रलिम्सि के लयि:

तंबाकू उपभोग, वैश्वकि युवा तंबाकू सर्वेक्षण, तंबाकू नयिंत्रण पर **WHO** फ्रेमवर्क कन्वेंशन (WHO FCTC), **वसतु एवं सेवा कर (GST)**, सगिरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधनियिम (COTPA), 2003।

मेन्स के लयि:

तंबाकू का प्रभाव और उन्मूलन उपाय, भारत में तंबाकू उपभोग का परदिृश्य, तंबाकू उत्पादों पर कराधान, वैश्वकि युवा तंबाकू सर्वेक्षण के नषि्करष।

स्रोत: द हदिू

चर्चा में क्यों?

वशि्व भर में बीमारी और मृत्यु का सबसे व्यापक कारण **तंबाकू** है।

- भारत में तंबाकू उपभोक्ताओं की संख्या **वशि्व में दूसरे स्थान पर** है (चीन के बाद), जनिकी संख्या लगभग 26 करोड़ है।

तंबाकू के उपयोग के संबंध में मुख्य तथ्य:

- **आधे से अधकि तंबाकू का सेवन करने वाले व्यक्तयिों** की मृत्यु हो जाती है।
- तंबाकू के कारण **प्रतविर्ष 8 मलियिन से अधकि लोग मरते हैं** , जनिमें अनुमानतः 1.3 मलियिन वे लोग भी शामलि हैं जो धूम्रपान न करने वाले हैं तथा जो अप्रत्यक्ष धूम्रपान के संपर्क में आते हैं।
- **भारत में प्रतविर्ष लगभग 1.35 मलियिन लोग तंबाकू के सेवन के कारण मरते हैं।**
- वशि्व के **1.3 बलियिन तंबाकू उपयोगकर्त्ताओं में से लगभग 80% नमि्न एवं मध्यम आय वाले देशों** में रहते हैं।
- वर्ष 2020 में वशि्व की 22.3% आबादी ने तंबाकू का सेवन कयि।

भारत में तंबाकू उपभोग के आँकड़े क्या हैं?

तंबाकू की खपत में कोई उल्लेखनीय कमी नहीं: राष्ट्रीय परविार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (National Family Health Surve- NFHS) के अनुसार, **राष्ट्रीय तंबाकू नयिंत्रण कार्यक्रम (National Tobacco Control Programme- NTCP)** और गैर-NTCP ज़लिों के बीच बीड़ी या सगिरेट की खपत में कमी में कोई वशिेष अंतर नहीं है।

- इसके संभावति कारण **अपर्याप्त भर्ती, संसाधन आवंटन एवं उपयोग तथा प्रभावी नगिरानी तंत्र** का अभाव हो सकते हैं।

Chart 1: Comparison of monthly consumption of bidi and cigarettes between National Tobacco Control Program (NTCP) districts and non-NTCP districts

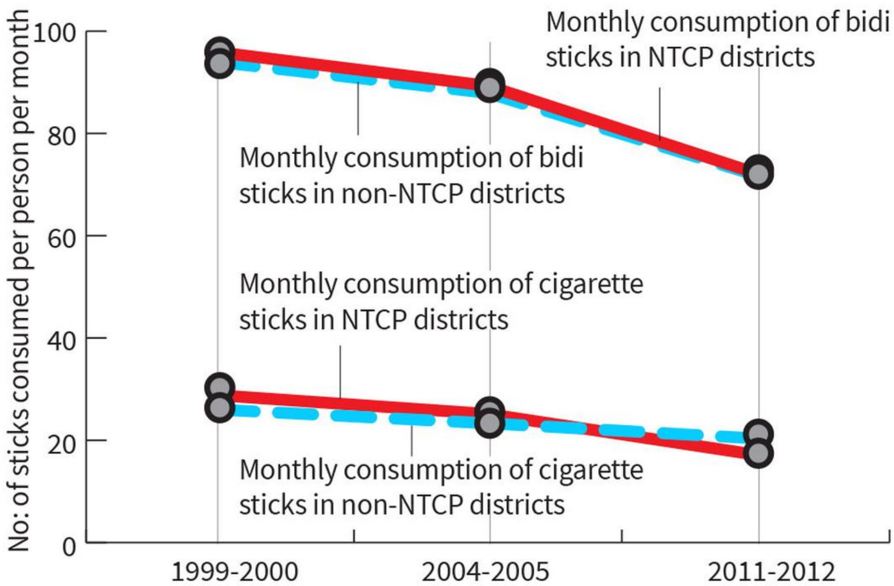

//

- **सगिरेट और बीड़ी हुई सस्ती: पछिले 10 वर्षों में सगिरेट, बीड़ी और धुआँ रहति तंबाकू (Smokeless Tobacco) उत्पाद सस्ते हो गए हैं।**
    - **वस्तु एवं सेवा कर (GST) प्रणाली** ने एकीकृत कर प्रणाली के कारण **इन्हें और भी अधकि कफियती बना दिया है, जसिसे कीमतें कम हो** गई हैं।

Chart 3: Trends in Relative Income Price (RIP) for cigarettes and smokeless tobacco

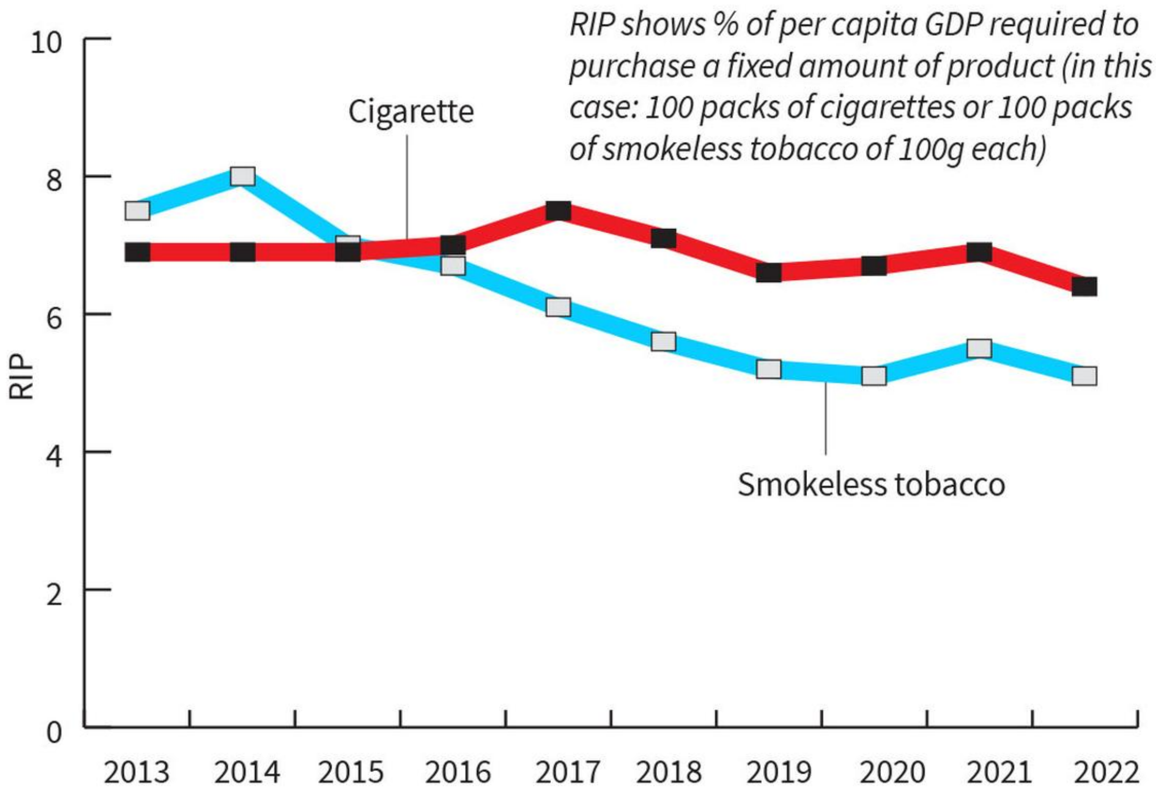

- **महिलाओं में तंबाकू के उपयोग में वृद्धि: महिलाओं को छोड़कर सभी वर्गों में तंबाकू का उपयोग कम हुआ है, कति वर्ष 2015 और 2021 के बीच महिलाओं द्वारा तंबाकू के उपयोग में 2.1% की वृद्धि हुई है।**

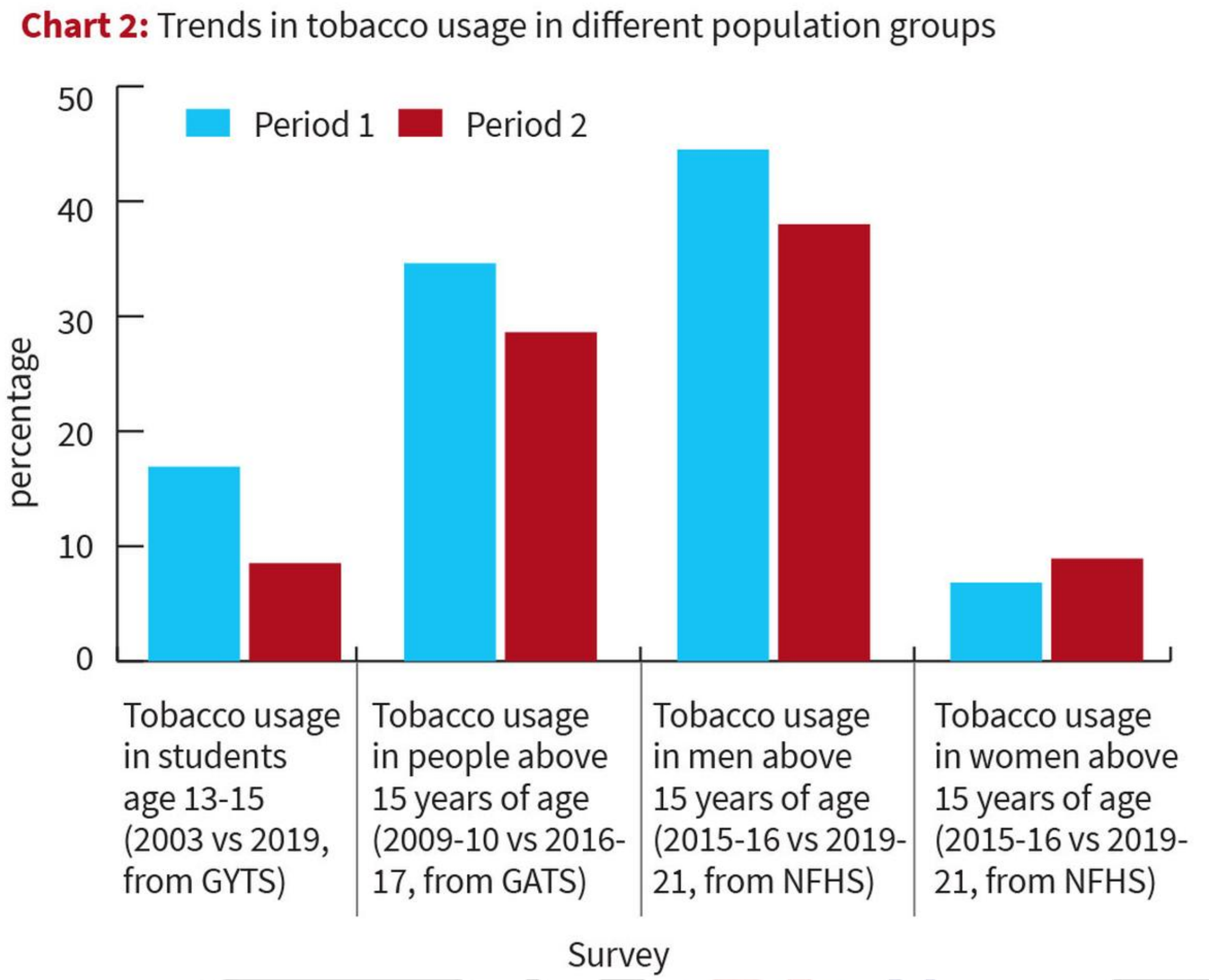

विश्व तंबाकू निषेध दिवस:

- **विश्व तंबाकू निषेध दिवस 31 मई को मनाया जाता है।**
- **विश्व तंबाकू निषेध दिवस** की घोषणा विश्व स्वास्थ्य संगठन के सदस्य राष्ट्रों द्वारा वर्ष 1987 में तंबाकू से होने वाली मृत्यु तथा बीमारियों पर वैश्विक ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से की गई।
  - इस दिवस का **उद्देश्य जनता को तंबाकू के उपयोग के खतरों के बारे में जानकारी** देना है।
  - यह **विश्व भर के लोगों को स्वास्थ्य और स्वस्थ जीवन के अपने अधिकार का दावा करने** तथा भावी पीढ़ियों की सुरक्षा करने के लिये भी प्रोत्साहित करता है।
- 2024 का थीम **"Protecting Children from Tobacco Industry Interference" बच्चों को तंबाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बचाना" है।**
- यह दिन **तंबाकू के उपयोग से होने वाली रोकी जा सकने वाली मृत्यु और बीमारी की** याद दिलाता है तथा तंबाकू नियंत्रण नीतियों एवं हस्तक्षेपों के महत्त्व पर प्रकाश डालता है।

अहिल्याबाई होल्कर:

- **31 मई** को **महारानी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती भी मनाई जाती है।** अहिल्याबाई होल्कर का जन्म **31 मई, 1725** को महाराष्ट्र के अहमदनगर ज़िले के चोंडी गांव में **हुआ था।**
  - वर्ष 1733 में उन्होंने **मराठा साम्राज्य के होलकर वंश** के संस्थापक मल्हार राव होलकर के पुत्र खांडेराव होलकर से विवाह किया।
- वर्ष 1754 में अपने पति की मृत्यु के बाद वह मालवा राज्य की शासक बनीं।
- उन्होंने **वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर** सहित कई मंदिरों के **निर्माण में योगदान** दिया।
- उन्होंने अपने **राज्य में सती प्रथा को समाप्त किया** तथा शिक्षा और महिला अधिकारों को बढ़ावा दिया।
- अहिल्याबाई होल्कर की मृत्यु 13 अगस्त, 1795 को हुई।

भारत तंबाकू के खिलाफ कैसे लड़ रहा है?

- **अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता:**
    - **तंबाकू नियंत्रण पर WHO फ्रेमवर्क कन्वेंशन (Framework Convention on Tobacco Control- FCTC):**
        - भारत इस कन्वेंशन के 182 हस्ताक्षरकर्त्ताओं में से एक है, जो वैश्विक तंबाकू नियंत्रण प्रयासों के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
        - इसका उद्देश्य देशों को **मांग और आपूर्ति में कमी लाने की रणनीतियाँ** एवं प्रभावी राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण नीतियाँ विकसित करने में सहायता देकर विश्व भर में तंबाकू के उपयोग को कम करना है।
    - विश्व तंबाकू निषेध दिवस**:**
        - तंबाकू सेवन के घातक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिये **प्रतिवर्ष 31 मई** को '**विश्व तंबाकू निषेध दिवस**' के रूप में मनाया जाता है।
- **राष्ट्रीय कानून:**
    - **सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (विज्ञापन का निषेध तथा व्यापार और वाणिज्य, उत्पादन, आपूर्ति और वितरण का विनियमन) अधिनियम (COTPA) 2003: सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (विज्ञापन प्रतिषेध तथा व्यापार एवं वाणिज्य, उत्पादन, आपूर्ति व वितरण का विनियमन) अधिनियम (COTPA) 2003:** यह तंबाकू के विभिन्न पहलुओं, जैसे उत्पादन और आपूर्ति, विज्ञापन एवं प्रचार, वितरण, बिक्री साथ ही पैकेजिंग और लेबलिंग को नियंत्रित करता है।
    - **राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (NTCP) 2007:** COTPA कार्यान्वयन और FCTC अनुपालन को मज़बूत करना। **इसके प्रमुख कार्यों में शामिल हैं:**
        - **जन जागरूकता अभियान:** जनसंचार माध्यमों द्वारा चलाए जाने वाले अभियान जनता को तंबाकू के उपयोग से होने वाले स्वास्थ्य जोखिमों के बारे में शिक्षित करते हैं।
        - **धूम्रपान बंद करने की पहल:** धूम्रपान छोड़ने के लिये श्लोगन, परामर्श और व्यवहारिक हस्तक्षेप के माध्यम से।
        - **प्रवर्तन तंत्र:** नामित प्राधिकारियों की सहायता से COTPA प्रावधानों का प्रवर्तन।
    - **इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम (PECA), 2019:** इसने भारत में ई-सिगरेट पर प्रतिबंध लगा दिया है।
    - राष्ट्रीय तंबाकू त्याग सेवा (NTQLS):
    - एमसेसेशन कार्यक्रम: मोबाइल प्रौद्योगिकी द्वारा तंबाकू छोड़ने की पहल।
        - सरकार की डिजिटल इंडिया पहल के हिस्से के रूप में 2016 में लॉन्च किया गया।
    - **तंबाकू कराधान:**
        - भारत **खुदरा मूल्य के 53% पर सिगरेट** के साथ तंबाकू पर भारी कर लगाता है। एक सस्ता विकल्प, बीड़ी पर 16% की दर से बहुत कम कर लगाया जाता है। सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ उपयोग को**हतोत्साहित करने और सरकारी राजस्व बढ़ाने के लिये अधिक बीड़ी कर चाहते हैं।**

स्वास्थ्य जोखिमों के अलावा तंबाकू के छिपे हुए नुकसान क्या हैं?

- **मृदा क्षरण:** तंबाकू की खेती से मृदा के पोषक तत्व तेज़ी से नष्ट हो जाते हैं, उन्हें अधिक उर्वरक की आवश्यकता होती है, जिससे मृदा की गुणवत्ता को और अधिक हानि पहुँचती है।
- **वनों की कटाई**: तंबाकू उत्पादन वनों की कटाई में योगदान देता है, जिसके प्रसंस्करण के लिये लकड़ी की आवश्यकता होती है।**1 किलो तंबाकू को संसाधित करने के लिये 5.4 किलो लकड़ी की आवश्यकता होती है।**
- **अपशिष्ट उत्पादन:** तंबाकू के उत्पादन और उपभोग से **अत्यधिक मात्रा में अपशिष्ट उत्पन्न होता है (भारत में प्रतिवर्ष 1.7 लाख टन)।**
- **आर्थिक बोझ:** तंबाकू के उपयोग से **स्वास्थ्य देखभाल पर अत्यधिक व्यय** आता है (वर्ष 2017-18 में भारत में अनुमानित 1.7 लाख करोड़ रुपए का नुकसान), जो राष्ट्रीय स्वास्थ्य बजट (48,000 करोड़ रुपए) से भी अधिक है।
    - **तंबाकू उद्योग में कार्यरत 6 मिलियन से अधिक लोगों को त्वचा के माध्यम से तंबाकू के अवशोषण** के कारण संभावित स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा है।
- **अपशिष्ट प्रबंधन लागत:** तंबाकू अपशिष्ट की सफाई एक महत्त्वपूर्ण अतिरिक्त लागत है (भारत में अनुमानित 6,367 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष)।

भारत में तंबाकू के प्रभावी नियंत्रण हेतु क्या चुनौतियाँ हैं?

- **गैर-अनुपालन उत्पाद:** धूम्ररहित तंबाकू (जैसे गुटखा) और तस्करी वाले उत्पाद **COTPA (सिगरेट व अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम)** विनियमों से बचते हैं, जिससे उनके उत्पादन, बिक्री एवं विपणन को नियंत्रित करना कठिन हो जाता है।
- **मामूली जुर्माना: COTPA उल्लंघनों** के लिये **मामूली जुर्माना** (जैसे: पहली बार पैकेजिंग प्रतिबंधों का उल्लंघन करने पर अधिकतम जुर्माना केवल 5,000 रुपए) (2003 से अद्यतन नहीं किया गया) **उल्लंघनकर्त्ताओं के लिये पर्याप्त निवारक के रूप में कार्य नहीं करता है।**
- **सरोगेट विज्ञापन:** तंबाकू कंपनियाँ अपने ब्रांड को **अप्रत्यक्ष रूप से बढ़ावा** देने के लिये चालाकी से अन्य उत्पादों (जैसे इलायची) के विज्ञापनों का उपयोग करती हैं, जिससे उनकी मार्केटिंग पहुँच को विनियमित करना कठिन हो जाता है। ये **विज्ञापन** अप्रत्यक्ष रूप से तंबाकू के उपयोग को बढ़ावा देते हैं।
    - **ICC पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023** में **कम से कम दो तंबाकू ब्रांडों के लिये सरोगेट विज्ञापन** प्रदर्शित किये गए।
- **अवरुद्ध संशोधन:** भारत सरकार ने **वर्ष 2015 और 2020 में COTPA को मज़बूत करने के लिये प्रस्तावित संशोधनों को पारित नहीं किया है,** जो इन समस्याओं को दूर कर सकते थे।
- **सीमित प्रवर्तन क्षमता: राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (National Tobacco Control Programme- NTCP)** में देश भर में COTPA को पूरी तरह से लागू करने के लिये **कर्मचारियों, संसाधनों और उचित निगरानी प्रणालियों का अभाव है।**
- **तंबाकू उद्योग में प्रभावी लॉबिंग:**
    - **हालाँकि, ई-सिगरेट पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, लेकिन समस्या अभी भी बनी हुई है और इस** नीति (ई-सिगरेट पर प्रतिबंध) का पूरी

तरह से क्रियान्वयन नहीं किया जा रहा है।
  - **छोटी तंबाकू कंपनियों के लिये कर में छूट: सरकार सभी तंबाकू उत्पादों पर समान कर नहीं लगा रही है,** जिससे कुछ लोगों के लिये हानिकारक उत्पादों को बेचना सरल हो रहा है।
  - **सरकार के साथ हितों का टकराव:** यह तंबाकू नियंत्रण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता के संबंध में चिंता उत्पन्न करता है।
    - भारत की सबसे बड़ी तंबाकू कंपनी **ITC Ltd.** में **केंद्र सरकार की 7.8% हिस्सेदारी** है।

आगे की राह

- **मज़बूत आधार की आवश्यकता:** तंबाकू नियंत्रण प्रयासों के लिये भारत को **सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (COTPA)** तथा **राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (NTCP)** का अद्यतन करने की आवश्यकता है।
- **तंबाकू पर अधिक कर:** तंबाकू उत्पादों, विशेष रूप से बीड़ी और धुआँ रहित तंबाकू पर कर,**विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुशंसित 75% के लक्ष्य** से काफी कम है। करों में वृद्धि से उपभोग में कमी आएगी और सार्वजनिक स्वास्थ्य पहलों हेतु राजस्व उत्पन्न हो सकेगा।
- **प्रभावी निगरानी: तंबाकू उपयोग की प्रवृत्तियों पर नज़र रखने, COTPA का उल्लंघन किये जा रहे क्षेत्रों की पहचान करने तथा तंबाकू विरोधी** अभियानों की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिये नियमित निगरानी आवश्यक है।
- **तंबाकू किसानों का समर्थन: तंबाकू किसानों को वैकल्पिक फसलों की ओर बढ़ने में सहायता करने के लिये** सार्वजनिक कार्यक्रम शुरू किये जाने चाहिये। इससे तंबाकू की खेती कम होने से होने वाली आर्थिक कठिनाई कम हो जाएगी।
- **डेटा-संचालित दृष्टिकोण:** तंबाकू उपयोग प्रतिरूप पर डेटा का समय पर संग्रह यह समझने के लिये आवश्यक है कि ये प्रतिरूप कैसे बदल रहे हैं और तंबाकू उद्योग द्वारा नियोजित नई रणनीतियों की पहचान करना महत्त्वपूर्ण है। यह डेटा प्रभावी तंबाकू नियंत्रण नीतियों को तैयार करने के लिये भी आवश्यक है।

दृष्टि मेन्स प्रश्न:

भारत में तंबाकू उपभोग के प्रभाव पर चर्चा कीजिये। इसके अलावा, तंबाकू उत्पादों को विनियमित करने में आने वाली चुनौतियों और वैश्विक ढाँचे के महत्त्व पर प्रकाश डालिये।

UPSC सिविल सेवा प्रश्न, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2012)

1. मृदा की प्रकृति और फसलों की गुणवत्ता के आधार पर भू-राजस्व का आकलन
2. युद्ध में चलती फिरती तोपों का उपयोग
3. तंबाकू और लाल मिर्च की खेती

उपर्युक्त में से कौन-सा/से अंग्रेज़ों की भारत को देन थी/थे?

(a) केवल 1
(b) 1 और 2
(c) 2 और 3
(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (d)

प्रश्न. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिये और सूचियों के नीचे दिये गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये:(2008)

	सूची-I (बोर्ड)		सूची-II (मुख्यालय)
A.	कॉफी बोर्ड	1.	बंगलूरु
B.	रबर बोर्ड	2.	गुंटूर
C.	चाय बोर्ड	3.	कोट्टयम
D.	तंबाकू बोर्ड	4.	कोलकाता

कूट: A B C D

(a) 2 4 3 1
(b) 1 3 4 2
(c) 2 3 4 1
(d) 1 4 3 2

उत्तर: (b)

प्रश्न. निम्नलिखित में से कौन-से कारक/कारण बेंजीन प्रदूषण उत्पन्न करते हैं? (2020)

1. स्वचालित वाहन द्वारा निष्कासित पदार्थ
2. तंबाकू का धुआँ
3. लकड़ी जलना
4. रोगन किये गए लकड़ी के फर्नीचर का उपयोग
5. पॉलीयुरेथेन से बने उत्पादों का उपयोग करना

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(A) केवल 1, 2 और 3
(B) केवल 2 और 4
(C) केवल 1, 3 और 4
(D) 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर: (A)

प्रश्न. निम्नलिखित में से कौन-सा एक पादप-समूह 'नवीन विश्व (न्यू वर्ल्ड)' में कृषि-योग्य बनाया गया तथा इसका प्रचलन 'प्राचीन विश्व (ओल्ड वर्ल्ड)' में था?(2019)

(a) तंबाकू, कोको और रबड़
(b) तंबाकू, कपास और रबड़
(c) कपास, कॉफी और गन्ना
(d) रबड़, कॉफी और गेहूँ

उत्तर: (a)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/tobacco-epidemic-in-india